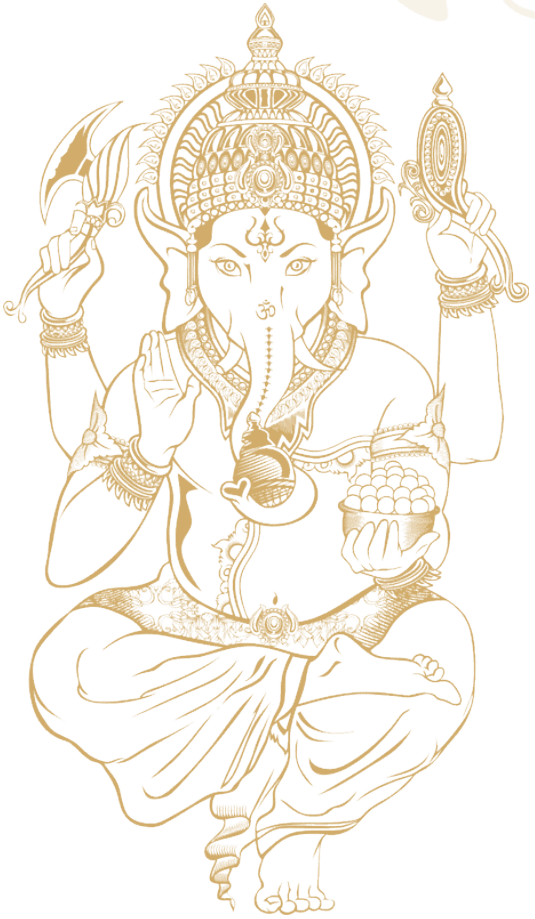

P

05 Apr 1993

06:02 PM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121357604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/04/1993**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:02:00 घंटे**
इष्ट	29:39:13 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:38:20 घंटे
वेलान्तर	-00:02:44 घंटे
साम्पातिक काल	06:33:36 घंटे
सूर्योदय	06:10:18 घंटे
सूर्यास्त	18:42:59 घंटे
दिनमान	12:32:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	21:58:02 मीन
लग्न के अंश	13:42:08 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वृद्धि
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	13:42:08	320:26:37	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मीन	21:58:02	00:59:02	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	04:05:40	15:12:43	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
मंगल			मिथु	26:22:03	00:23:49	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
बुध			कुंभ	24:13:23	00:58:53	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
गुरु	व		कन्या	15:15:27	00:07:38	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	15:35:28	00:35:50	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि			कुंभ	03:15:53	00:05:34	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	20:07:40	00:08:34	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	20:07:40	00:08:34	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	सम राशि
हर्ष			धनु	28:14:24	00:01:03	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप			धनु	27:18:05	00:00:35	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो	व		वृश्चि	01:21:40	00:01:10	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मिथु	13:57:13	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:03

लग्न-चलित

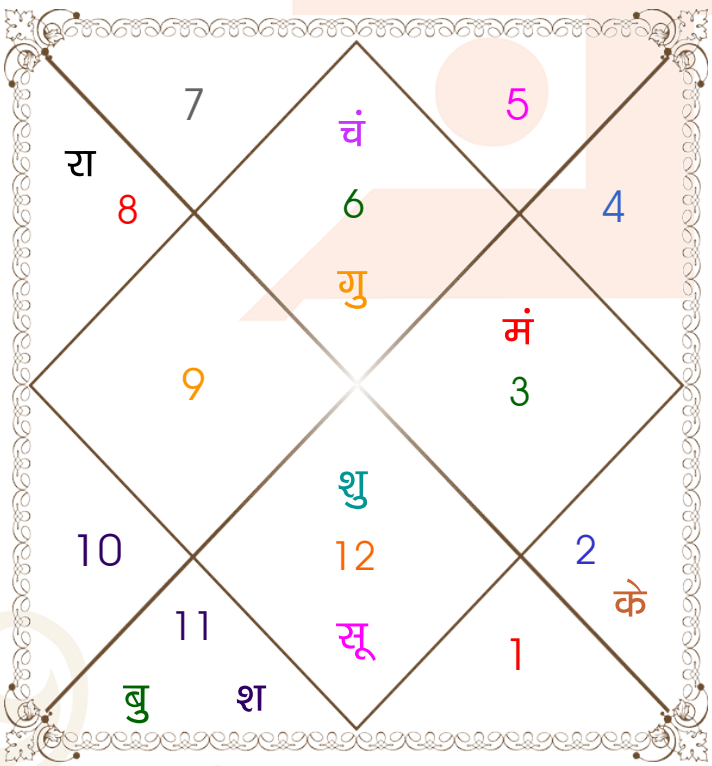

चन्द्र कुंडली

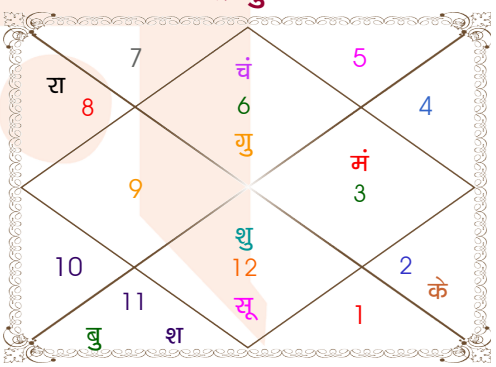

नवमांश कुंडली

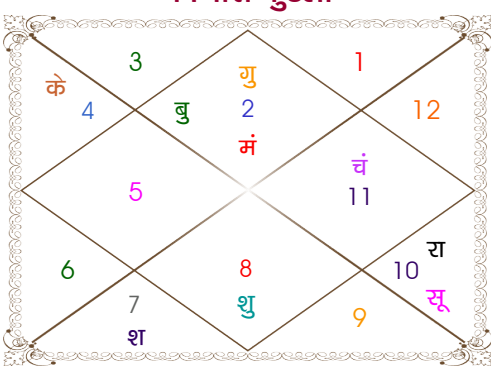

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 7 मास 27 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/04/1993		02/12/1995		01/12/2005		01/12/2012		02/12/2030	
02/12/1995		01/12/2005		01/12/2012		02/12/2030		02/12/2046	
	00/00/0000	चंद्र	01/10/1996	मंगल	30/04/2006	राहु	14/08/2015	गुरु	19/01/2033
	00/00/0000	मंगल	02/05/1997	राहु	18/05/2007	गुरु	07/01/2018	शनि	02/08/2035
	00/00/0000	राहु	01/11/1998	गुरु	23/04/2008	शनि	13/11/2020	बुध	07/11/2037
	00/00/0000	गुरु	02/03/2000	शनि	02/06/2009	बुध	02/06/2023	केतु	14/10/2038
	05/04/1993	शनि	02/10/2001	बुध	30/05/2010	केतु	20/06/2024	शुक्र	14/06/2041
शनि	19/09/1993	बुध	03/03/2003	केतु	26/10/2010	शुक्र	21/06/2027	सूर्य	02/04/2042
बुध	27/07/1994	केतु	02/10/2003	शुक्र	26/12/2011	सूर्य	14/05/2028	चंद्र	02/08/2043
केतु	02/12/1994	शुक्र	02/06/2005	सूर्य	02/05/2012	चंद्र	13/11/2029	मंगल	08/07/2044
शुक्र	02/12/1995	सूर्य	01/12/2005	चंद्र	01/12/2012	मंगल	02/12/2030	राहु	02/12/2046

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/12/2046		01/12/2065		02/12/2082		01/12/2089		02/12/2109	
01/12/2065		02/12/2082		01/12/2089		02/12/2109		00/00/0000	
शनि	04/12/2049	बुध	29/04/2068	केतु	30/04/2083	शुक्र	02/04/2093	सूर्य	22/03/2110
बुध	14/08/2052	केतु	26/04/2069	शुक्र	29/06/2084	सूर्य	02/04/2094	चंद्र	21/09/2110
केतु	22/09/2053	शुक्र	25/02/2072	सूर्य	04/11/2084	चंद्र	02/12/2095	मंगल	26/01/2111
शुक्र	22/11/2056	सूर्य	01/01/2073	चंद्र	05/06/2085	मंगल	31/01/2097	राहु	21/12/2111
सूर्य	04/11/2057	चंद्र	02/06/2074	मंगल	01/11/2085	राहु	01/02/2100	गुरु	08/10/2112
चंद्र	05/06/2059	मंगल	30/05/2075	राहु	19/11/2086	गुरु	03/10/2102	शनि	06/04/2113
मंगल	14/07/2060	राहु	17/12/2077	गुरु	26/10/2087	शनि	02/12/2105		00/00/0000
राहु	21/05/2063	गुरु	23/03/2080	शनि	04/12/2088	बुध	02/10/2108		00/00/0000
गुरु	01/12/2065	शनि	02/12/2082	बुध	01/12/2089	केतु	02/12/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 7 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्न में हुआ था। जन्मकाल-मेदिनीय क्षितिज वृषभ राशि का नवमांश तथा मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस जन्म के समायोजन की वास्तविकता तो यह दृष्टिगत हो रहा है कि आप अपना दीर्घायु योग से प्रभावित सुखमय जीवन-व्यतीत करेंगे।

आपका जीवन सतत उत्तेजनात्मक प्रवृति से युक्त रहेगा। यदि आप सुव्यवस्थित ढ़ंग से कठिन श्रम के प्रति समर्पित भावना से युक्त होकर तथा दुःसाहसिक प्रवृति को त्याग कर ठोस निर्णयानुसार कार्य सम्पादन करें तो आप सन्तोषजनक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप प्रायः अपने निर्णय के प्रतिकूल आकस्मिक रूप से नयी नीति के प्रति अन्वेषनात्मक परिवर्त्तनीय आचरण अपना लेते हैं। अस्तु आपको इस प्रकार की स्पन्दित प्रवृति को त्यागना पड़ेगा।

आप उच्चकोटि के महत्वकांक्षी है तथा आप अत्यधिक धन संचय करना चाहते हैं। आपको अपने कार्य सम्पादन की नीति को अपनी आवश्यकता के अनुरूप फैलाना एक वास्तविक प्रक्रिया हो सकती है। आप निश्चयपूर्वक एक साहसी एवं उद्यमी हैं। आप अपनी योजना को पूर्ण रूपेण सफलीभूत करेंगे। अर्थात् आपको आरामदायक जीवन व्यतीत करने के लिए अच्छे लाभांश की प्राप्ति होगी।

आप स्वाभाविक रूप से एक वणिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप व्यवसायिक वातावरण में अपना धन निवेश हेतु प्रवृत होंगे। परन्तु आप सतर्कता पूर्वक निवेश के लिए धन का लाभांश क्षीण या आंशिक रूप में प्राप्त न हो। यह विचार कर अपना कदम बढ़ाएंगे। इसलिए आपको लेखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य जैसा पदभार ग्रहण करने के लिए प्रस्तुत होना चहिए। आप सर्वथा सम्पादन कारिता, अध्यापन कार्य, परीक्षक कार्य आदि से सम्बन्धित कार्य आपके लिए स्वाभाविक है।

आप लोगों के कार्यकलाप क्या ठीक करते है अथवा क्या गलत करते है की आलोचना करेंगे। आप पूर्ण शिक्षित एवं कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप उनकी त्रुटिपूर्ण आचरण के प्रति तर्कता पूर्वक स्थित रह कर उनकी दुर्बलता का ध्यान रखेंगे।

आप नकारात्मक विशेषताओं की शुद्धिकरण करेंगे। परिणाम-स्वरूप आपके कुछ मित्रों में से अधिकांश व्यक्ति आपके शत्रु बन जाएंगे तथा आपके व्यवहार से असन्तुष्ट होकर, आपको जन सामान्य की दृष्टि में बेनकाब कर न्यायालय तक ले जा सकते है। अतः आप अन्य लोगों की अति आलोचना नहीं करे। अर्थात् दूसरों के लिए दुष्कर वातावरण का निर्माण नहीं करे। आप सर्वथा अपने मित्रों एवं अधिनस्थ कर्मचारियों का उपयुक्त चयन किया करें ताकि वे आपके लिए हितकर हों।

आप धार्मिक-ग्रन्थों का अध्ययन कर जीवन का यथेष्ठ अनुभव प्राप्त करेंगे। परन्तु आप अपनी शिक्षा का अभ्यास असंभावित रूप से नहीं कर सकेंगे। आप अनेकों वासनात्मक मित्रों के साथ संगठित होकर आनन्द प्राप्त करना चाहेंगे। आप इस प्रकार के अध्यवसाय से

प्रतिकूल आचरण करें अन्यथा आपका मधुर पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हों सकता है। आपका अच्छे व्यवहार तथा स्नेह प्रदान करने वाली पत्नी एवं अच्छी सन्तान होंगी जो अच्छी प्रकार से आपका जीवन व्यतीत करेंगी।

आपके जीवन का महत्वपूर्ण अंश आपका हृष्ट पुष्ट शरीर एवं प्रसन्नतम जीवन होगा। आपको अपने स्वास्थ्य सम्बन्धीं यथा पाचन क्रिया एवं नसों की दिक्कतों से संबंधित रोगों के प्रति भली प्रकार सावधानी बरतनी चाहिए। क्योंकि ये अति संवेदनशील बाते हैं। अन्यथा आप दस्त सम्बंधी रोग, टायफाईड अथवा स्नायविक घबराहट जैसे रोग के कारण आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। अस्तु आपकों चिकित्सक की राय ग्रहण करना चाहिए तथा दूषित खाद्य पदार्थो को त्यागकर शाकाहार को प्राथमिकता देनी चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं अंक 1 एवं 8 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट एवं अनुकूल रंग सफेद, पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग है। इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला, एवं नीला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।